absolutely unjust.....*(Interruptions)*.....

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, they are only concerned about the proper regulation of the Zero Hour and unconcerned about the proper functioning of the Constitution of India.....*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Yes, you can bring it through a proper motion. You can't raise it all of a sudden....*(Interruptions)*....If you want you can raise it through a proper motion .....*(Interruptions)*....

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): He can't raise it ...*(Interruptions)*....

SHRI S. JAIPAL REDDY: During the Question Hour I said, you will kindly recollect, Mr. Vice-Chairman....*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Jaipal Reddy, let me take up the Zero Hour then I will allow you.....*(Interruptions)*....

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI (Orissa): Mr. Vice-Chairman, I have a point of order. Sir ...*(Interruptions)*...

(THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Yes, yes .....*(Interruptions)*....

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: No. no.....*(Interruptions)*....

सिकंदर बख्त साहब, आप खड़े होकर बोलिए। .....(व्यवधान)

SHRI VISHNU KANT SHASTRI: No, no. ...*(Interruptions)*...

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: Sir, I am on a point of order....*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no. There can't be any point of order during the Zero Hour ....*(Interruptions)*....There can be no point of order during the Zero Hour....*(Interruptions)*....

SHRI GURDAS DAS GUPTA: May I submit....*(Interruptions)*....

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: I am on a point of order on the Bihar issue ...*(Interruptions)*....

SOME HON. MEMBERS: No, no. *(Interruptions)*....

AN HON. MEMBER: When will the Bihar elections be over ...*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): There is no point of order during the Zero Hour....*(Interruptions)*....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I suggest that one after another the hon. members should raise the issue *(Interruptions)*.

SOME HON. MEMBERS: Let Mr. Sikander Bakht speak. Let him speak.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Jaipal Reddy, kindly take your seat *(Interruptions)*.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, पहले आप सिकन्दर बख्त साहब को बोलने दीजिए। सिकन्दर बख्त साहब आप बोलिए। .....(व्यवधान)....आजमी साहब, इनके बाद वे बोले।.....(व्यवधान)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: After the Leader of Opposition, we shall speak....*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Sikander Bakht. I called Mr. Sikander Bakhat.....*(Interruptions)*.

RE. ALLEGED DISRESPECT SHOWN TO SHRI R.L. BHATIA, MINISTER OF STATE FOR EXTERNAL AFFAIRS BY PAKISTANI HIGH COMMISSION.

श्री सिकन्दर बख्त : (मध्य प्रदेश) : सदर साहब, पिछले थ्रसडे को पाकिस्तान के हाई कमिश्नर ने एक रिसेप्शन पाकिस्तान के नेशनल डे के मौके पर दिया। वहां पर एक बहुत अफसोसनाक हादसा हुआ जो कि बड़ी तफसील के साथ अखबारात में आया है। श्री आर.एल. भाटिया जो हमारे एक्सटर्नल एफियर्स के स्टेट मिनिस्टर है, उन्होंने वहां पर राष्ट्रपति की नुमाइन्दगी की। यह पहली मर्तबा हुआ कि हमारे मुल्क के राष्ट्रपति की जो नुमाइन्दगी करता है, उसके लिए जो सीटों का अरेंजमेंट होता है, वह नहीं हुआ। वहां पर वे गए तो उनके लिए कोई सिटिंग अरेंजमेंट नहीं था। इत्तफाक से आर.एल. भाटिया साहब के जाने से पहले वहां प्रोटोकोल के लोगों को भेजा गया। उन लोगों ने पाकिस्तान के हाई कमिश्नर से पूछा कि उनके लिए सिटिंग अरेंजमेंट कहा है, जहां वे आकर बैठे। राष्ट्रपति जी की नुमाइन्दगी करने के लिए आर.एल. भाटिया साहब आपके नेशनल डे.के. मौके पर आ रहे है, उनकी कुर्सी कहां रखी

गयी है तो बताया गया कि कोई कुर्सी नहीं रखी गयी है क्योंकि उनके बहुत सारे मेहमान आ रहे हैं। यह चीज भी साफ हो चुकी है ...(व्यावधान)... बहुत ही अफसोसनाक सूरतेहाल थी। आर.एल. भाटिया साहब वहां पहुंचे और वे हाई कमिश्नर से सरसरीतौर पर मिले और मिलने के बाद इस किस्म की उखड़ी हुई सूरतेहाल थी कि अमेरिका के अम्बेसडर ने उनको चंद मिनटों पर बातों में लगाये रखा। हमारे दोनों कन्ट्रीज, हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के नेशनल सांग के बाद आर.एल. भाटिया साहब को रिसेप्शन छोड़कर चला आना पड़ा। मेरा कहना यह है कि पाकिस्तान की तरफ से मुख्तलिफ किस्म की प्रोवोकेटिव हरकतें की जा रही हैं। यह पहली मर्तबा नहीं हुआ है। यह बहुत ही शर्मनाक हादसा हुआ है। पाकिस्तान में टैरोरिस्टों को कैंपों में ट्रेंड किया जा रहा है और हिन्दुस्तान में उनको भेजकर हिन्दुस्तान को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। 1947 से यह सिलसिला जारी है। कश्मीर के एक हिस्से पर वह कब्जा किए बैठे हैं जो इल्लीगल है और युनाइटेड नेशंस के रज्योल्यूशन के मुताबिक भी नहीं है।

इत्तेफ़ाक ऐसा है कि एक दफ़ा एक सेमिनार के मौके पर हमारे अपने मुल्क के एक ऑथर हैं, उन्होंने किताब शाया की थी, उनके रिलीज के मौके पर उन्होंने पाकिस्तान के हाई कमिश्नर साहब को बुलाया था। वहां हमारे दो मंत्री साहेबान भी मौजूद थे। बहुत ही भद्दे लफ्जों में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर ने हिन्दुस्तान का वहां जिक्र किया। यह एक आम बात हो गई है कि पाकिस्तान के लोगों को अपनी अंदरूनी सियासत को संभालने के लिए दुनियां भर के तरीके बरतने पड़ते हैं। मौजूदा जो प्रधानमंत्री साहेबा हैं, वह जिस भाषा में हिन्दुस्तान का जिक्र करती है, निहायत ही अफसोसनाक है। उनके पहले उनके पिता जी ने, उनके वालिद बुजुर्गवार ने भी बहुत ही कड़वी बातें कहीं थीं। मैं दूर नहीं जाना चाह रहा हूं, हम इन रीजन में यकीनन अमन चाहते हैं, शान्ति चाहते हैं लेकिन अफसोस यह है कि तीन लड़ाईयां लड़ने के बाद भी हम पाकिस्तान को तरग़ीब दिलाने के नाकाम हो चुके हैं। हमारा कोई तरीका हिन्दुस्तान के पड़ोसियों से दोस्ती कायम रखने का होना चाहिये। मैं इस हादसे की सख्त मज़म्मत करता हूं क्योंकि वह पूरी हिन्दुस्तान के लिए शदीद ख़ब था। पाकिस्तान के हाई कमिश्नर साहब ने पूरे हिन्दुस्तान से पूरे हिन्दुस्तान और राष्ट्रपति के नुमाइंदे की बेइज्जती करके पूरे हिन्दुस्तान की बेइज्जती की है। हम इसकी सख्त मजम्मत करना चाहते हैं और सरकार से मुतालवा करना चाहते हैं कि मौजूदा हाई कमिश्नर साहब को हिन्दुस्तान से वापिस बुलाने का मुतालबा पाकिस्तान की सरकार से किया जाए क्योंकि पहला मौका नहीं है। उन्होंने मुसलसल हिन्दुस्तान के खिलाफ सख्ती ज़बानी का तरीका अख्तियार कर रखा है। यह बर्दाश्त करना हमारे लिए मुमकिन नहीं है। मैं जानना चाहूंगा सरकार से, एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्टर साहब यहां तशरीफ नहीं रखते, क्या सरकार पाकिस्तान की सरकार से मुतालबा करेगी कि रियाज़ खोखर साहब को हिन्दुस्तान से वापिस बुला लिया जाए और किसी मुअज़िज इंसान को यहां हाई कमिश्नर के तौर पर भेजा जाए।

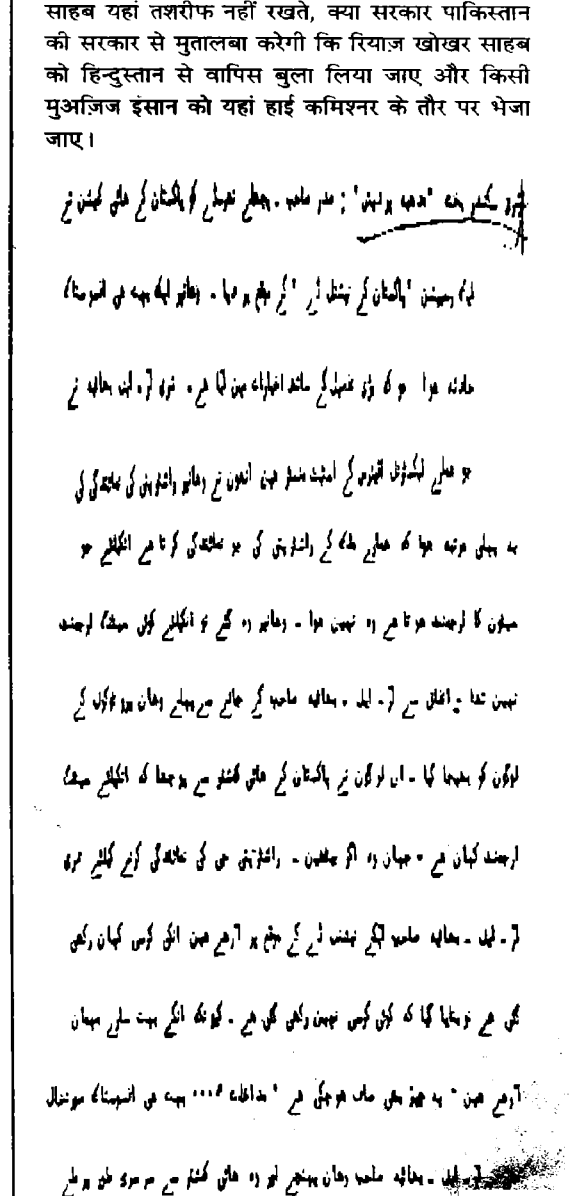

[ ] Translation in Arabic Script.

THE VICE CHAIRMAN (SHRI. V. NARAYANASAMY): Shri Syed Sibtey Razi.

DR. BIPLAB DASGUPTA (WEST BENGAL): Sir, please allow me...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): There are so many names...*(Interruptions)*....

SYED SIBTEY RAZI (Utter Pradesh) Sir, you have called my name...*(Interruptions)*.. I seek your protection...*(Interruptions)*..

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: इसमें हमारा भी नाम है, हमें भी बोलना है...(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Sibtey Razi, I have called your name. There are so many names and I called your name also...*(Interruptions)*..

SHRI SIBTEY RAZI: Sir, the Leader of the Opposition has raised the issue and we also share some of the sentiments which have been expressed by him. We really condemn the incident which has been politicised unnecessarily because we have regards for all the National Days of the various countries which are being celebrated here as well as abroad. India is a big country, it is a civilized country and we always

try to given honour to the national days of the various countries. But the way in which the Hurriyat people were called over there and they were given an opportunity to talk to the Press and Sir, I would like to share with you that the policy of the Indian Government should be welcomed and that it is because a the openness of our country that we had not tried to stop the Hurriyat people to come over here to participate. India is a democratic country. But the way the Hurriyat people have spoken there and tried to use that occasion for raising such quesions which are related to plebiscite and self-determination, is condemnable. We are going to hold elections in Kashmir. We would like to say that the Hurriyat people are not the only representatives of the Kashmiri people. Elections are due there in Kashmir and after that people who will emerge by taking the confidence and the vote of the people, they will be the real representative of the people. Pakistan just invited a section of the people of Kashmir whose stand very clear. I would like to say to the Leader of the Opposition that this is an issue which does not require such an over-reaction that we should demand that the High Commissioner of Pakistan should be called back by his country and all that. After all, there is a Government which is competent to face all these things in all the international forums. Wherever Pakistan has raised the issue of Kashmir and adamantly they tried to do so, we have been able to fight them out in the international forums. Sir, now a position has come that Pakistan has been isolated in various international fora. So, my submission is that this House should not take notice of that incident. That is a small incident in the eyes of our country...*(Interruptions)*.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): No, no. It is an insult to our country...

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): It is an insult to our honour an insult to our country...*(Interruptions)*...

THE VICE CHAIRMAN: (SHRI V. NARAYANASAMY): I will call everybody.

SHRI DIGVIJAY SINGH (Bihar): This statement should be expunged from the record.....*(Interruptions)*

श्री सिकन्दर बख्त: हमारा पूरा कांसलेट बंद किया गया है कराची में और यहां गेस्ट ऑफ ऑनर के रिसेप्शन में सारे-के-सारे हुर्रियत के लोग थे....(व्यवधान)...

[illegible]

श्रीमती सुषमा स्वराज: (हरियाणा) : उपसभापति जी, सिब्ते रजी साहब का यह सेन्टेंस प्रोसीडिंग्स से निकलवाया जाय।

SYED SIBTEY RAZI: Sir, Let me conclude...*(Interruptions)* Sir, it is an insult to our Minister and our country. I also condemn it. But to demand that the Pakistan High Commissioner should be called back, I think, is over-reaction, and we should not agree to the demand of the Leader of the Opposition...*(Interruptions)* Such a situation has not arisen. *(Interruptions)* Let me complete. There are so many other issues.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly conclude.

SYED SIBTEY RAZI: My submission is that at the diplomatic level, there are international fora where we can lodge our protest. My personal view is that on such issues, we should not over-react....*(Interruptions)*

SHRI H. HANUMANTHAPPA: It is an insult to the sovereignty of India.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Naresh Yadav.*(Interruptions)* There are some names. I have to call them one by one.

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): Sir, the only point I wish to say is, on behalf of my Party, I echo the sentiments expressed by the hon. Leader of the Opposition...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Swaminathan, I will call you when your turn comes.

SHRI G. SWAMINATHAN : The insult meted out to our Minister has to be viewed very strongly, and reciprocal action has to be taken by the Government of India with respect to Pakistan.

SHRI M. A. BABY (Kerala): Sir, I associate myself with the entire House in sharing the sentiments expressed by the Leader of the Opposition.

SHRI SURESH KALMADI: The whole House should associate itself.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Naresh Yadav.

श्री नरेश यादव (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति के प्रतिनिधि श्री रघुनंदन लाल भाटिया के साथ जो व्यवहार किया गया, वह शर्मनाक है। इस बारे में हमारे माननीय विपक्ष के नेता ने जो बात कही है, मैं उसका पुरजोर समर्थन करता हूं, माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, यह सवाल सिर्फ एक बार का नहीं है। हमारे देश के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, जो कि हमारी विदेश नीति के निर्माता थे, उन्होंने भी काश्मीर में आत्म-निर्णय के मुद्दे को सही नहीं माना था, लेकिन जो संगठन खुलकर पूरे हिंदुस्तान में काश्मीर में आत्म-निर्णय की बात करता है, वहां उसका स्वागत गर्मजोशी के साथ किया जाता है, लेकिन हमारे राष्ट्र के प्रतिनिधि का स्वागत वहां नहीं होता है। यह सब से शर्म की बात है। माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह एक दिन की बात नहीं है। यह एक बार की बात नहीं है। इसके पूर्व भी मोरक्को की राजधानी रब्बा में हमारे प्रतिनिधि के साथ पाकिस्तान के राजनियकों ने यह हरकत की थी जिसके कारण हमारे मरहूम फखरुद्दीन साहब को वापिस आना पड़ा था। इसलिए मैं इस सम्मानित सदन से और सरकार से कहना चाहता हूं कि रियाज खोखर को यहां से वापिस भेजा जाना चाहिए। अगर उनको सभ्यता और शिष्टता का ज्ञान नहीं है, जोकि एक राजनयिक को होना चाहिए तो उन्हें वापिस भेजा ही जाना चाहिए और अगर पाकिस्तान में सभ्यता और संस्कृति के बारे में सिखाने वालों की कमी हो तो उसे भारत से सीखना चाहिए कि शिष्टाचार क्या होता है। पाकिस्तान के इस राजनयिक को शिष्टता का ज्ञान नहीं है, इसलिए उसे तुरंत वापिस भेजा जाना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Prof. Vijay Kumar Malhotra. Kindly be brief. ...*(Interruptions)* No four minutes. Only one-and-a-hall minutes.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Obaidulla Khan Azmi has to be called, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): His name is there, but I will have to call one by one.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: उपसभाध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान हाई कमिश्नर ने हमारे विदेश मंत्री का अपमान तो किया है, परन्तु उसके साथ ही पाकिस्तान का हाई कमीशन टैरोरिस्टों, सैपेरेटिस्टों और हिन्दुस्तान के खिलाफ पूरी मुहिम का एक अड्डा बन गया है। वह लगातार पिछले कई दिनों से जो हमारे यहां टैरोरिस्ट हैं उनसे मीटिंगें कर रहे हैं, सैपेरेटिस्टों से मीटिंग कर रहे हैं, मुस्लिम देशों को इकट्ठा कर रहे हैं और हिन्दुस्तान के खिलाफ साजिश का एक अड्डा पाकिस्तान हाई कमीशन बना है। इसको वहां पर तोड़ा जाना चाहिए और मि० खोखर को यहां हिन्दुस्तान से वापस भेजना चाहिए। साथ ही उन्होंने जिस तरीके से शब्बीर शाह और उनके साथियों को वहां बुला करके गुप्त मीटिंगें की हैं, उनको हीरो बनाने की कोशिश की है, उसको हम जोरदार शब्दों में कंडेम करते हैं। परन्तु मैं भारत सरकार से पूछना चाहता हूं कि शब्बीर शाह को वहां मुस्लिम देशों में जाने की किसने इजाजत दी? अपने सऊदी अरेबिया में रुपया इकट्ठा किया है हिन्दुस्तान के खिलाफ हिन्दुस्तान से कश्मीर को आजाद कराने के लिए शब्बीर शाह दिल्ली में बैठ करके प्रैस कांफ्रेस करते हैं। यह सारे के सारे लोग उनको यह कैसे हीरो बनने दे रहे हैं उन सब की तो एक ही जगह है उन सब को इकट्ठा करके पाकिस्तान भेजना चाहिए और उनको यहां पर हिन्दुस्तान में रहने की कोई इजाजत नहीं देनी चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri. S. S. Ahluwalia.

SHRI BALBIR SINGH (Punjab) Sir, what about me?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I have called another hon. Member. Kindly take your seat.

SHRI BALBIR SINGH: You have called me first.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I called Shri Ahluwalia. You have not given your name and you are getting up! Shri Ahluwalia, please.

श्री एस. एस. अहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान दिवस के ऊपर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री रघुनन्दन लाल भाटिया जब वहां गए और उनके साथ जो पाकिस्तान की तरफ से अपमानजनक व्यवहार किया गया यह सोच कर के शर्म आती है कि सारी दुनिया के कानून को मद्देनजर रखते हुए हमने अपनी मातृभूमि पर उन्हें एंबेसी बनाने का मौका दिया और यहां पर उन्हें रहने का मौका दिया डिप्लोमेटिक रिलेशंस मेनटेन करने के लिए इसलिए नहीं कि हमारे देश का प्रतिनिधित्व करते हुए हमारे जो प्रतिनिधि उनके फंक्शन में जाएं उनका अपमान करें। यह आर. एल भाटिया भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भारत माता और भारत देश की 90 करोड़ जनता के प्रतिनिधि के रूप में वहां पर उपस्थित थे और उनका जो अपमान हुआ है यह 90 करोड़ जनता का अपमान हुआ है और यह बर्दाश्त के बारे है और इस चीज़ का गौर

फर्माने की जरूरत है महोदय, कि जब से यह एंबेसेडर यहां आया है तब से हमारे देश में आई.एस.आई. की गतिविधियां बढ़ी है और यह आई.एस.आई. का बहुत बड़ा सरगना है और इसने तरह-तरह से आई.एस.आई के एजेंटों को मदद देकर कहीं बम के धमाकों की कोशिश और कहीं हमारे यहां सेबोटाज करने की कोशिश की जा रही है, उसकी सारी कार्यवाही यह करता है और इसका यह प्रमाण मिला है। उस दिन काश्मीर के जो आतंकवादी संगठन है और जो आतंकवाद को समर्थन देने वाले संगठन हैं ऐसे लोगों के मुखिया वहां पर बुलाए गए और जिनका कि बड़ा गर्मजोशी से वहां पर स्वागत किया गया और उन्हें तरह-तरह के उपहार दिए गए। शर्म आती है कि हमारे देश में ही बैठ कर यह इस तरह के कार्य कर रहा है और हम अभी तक चुपचाप बैठे है।

मैं आपके माध्यम से सदन से गुजारिश करता हूं और भारत सरकार से गुजारिश करता हूं कि हमें इसको बहुत सीरियसली लेना चाहिए और जरूरत पड़े तो हमारे डिप्लोमेटिक चैनल के थ्रू इस एंबेसेडर को बुला कर साउथ ब्लाक में इसको धमकाना चाहिए और उसको वापस इस्लामाबाद भेजना चाहिए। उसका बंदोबस्त किया जाए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आपने कहा यह छोटी सी घटना है, क्या आपने यह नहीं कहा?...(व्यवधान)

SYED SIBTEY RAZI: You are misinterpreting me. The hon. lady Member is trying to misinterpret me, Sir. I never said like this. My import was different. I tried to explain about international diplomacy in the context of what really happened over there. Don't drag my name like this. My dear sister, don't drag my name. I never said like this. You should see the whole context of my speech. I never said like this.*(Interruptions)* This House is a big House. This is the Parliament of India. This is too big a country to take note of such a thing...*(Interruptions)*

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, सारा सदन इस बात पर एक मत है इसलिए मैं उस बात की तफसील में नहीं जाना चाहता। दो बातें मैं जरूर कहना चाहूंगा। एक तो यह कि जिन लोगों के मन में यह बात है कि राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में विदेश मंत्री गए थे, वह बात सही नहीं है। मंत्रियों को निमंत्रण मिलता है। पहली बात तो यह कि आर. एल. भाटिया को जब निमंत्रण मिला था और वहां क्या होने वाला था, यह सब लोगों को इसकी जानकारी थी। मुझे भी उस मौके पर जाने का निमंत्रण था, लेकिन हम लोगों को यह भी जानकारी थी कि हुर्रियत के लोगों को वहां पर बुलाया जा रहा है, इसलिए हम नहीं गए। मुझे तो अफसोस इस बात का है कि मंत्री को सारी जानकारी होने के बावजूद मंत्री वहां पर गए? क्यों, यह सब से ज्यादा शर्मनाक बात है। यह सारी जानकारी थी कि उस दिन वहां पर क्या होने वाला है।

श्री एस. एस. अहलुवालिया: जाना पड़ता है।

श्री दिग्विजय सिंह: नहीं जाना पड़ता है। कोई जरूरी नहीं है। आप ऐसी बात.....(व्यवधान) मैं यही बात सदन में कहना चाहता हूं यह कोई जरूरी बात नहीं कि हर बार कोई मंत्री जा सकता है कोई जरूरी नहीं है कि कोई विदेश मंत्री या विदेश राज्य मंत्री ही कहां पर जाए। इसलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि आगे से ऐसे मामलों पर थोड़ा विचारपूर्वक काम करें और किसी भी इस तरह के भोज में जाने से पहले अपनी जानकारी ले लें।

दूसरी बात, मैं जो सिब्ते रजी साहब से इत्तफाक रख रहा था, सिब्ते रजी साहब जरा मेरी बात सुन लें, मैं इस बात को बहुत गंभीरता से ले रहा हूं, यह मामला सिर्फ सिकन्दर बख्त या पूरे सदन का नहीं, यह पूरे देश का मामला है और देश की मर्यादा का प्रतिनिधित्व करने वाले आर.एल. भाटिया वहां पर मंत्री के रूप में गए थे। इसलिए मैं सरकार से कहना चाहूंगा जो बात श्री अहलुवालिया साहब ने कही है उसका एक तरीका है, एंबेसेडर को वापस भेजा जाए या नहीं भेजा जाए, यह तो सरकार समझे, लेकिन इतना जरूर हो सकता है कि गृह मंत्रालय या विदेश मंत्रालय और हमारा एक प्लाईट सेक्रेटरी होता है, वह बुला कर इस बात को कह सकता है कि पूरा देश इस की निंदा करता है और आगे से ऐसी कोई घटना न घटे।

SHRI R.K. DHAWAN (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, there is no denying the fact that I am with the entire House in condemning the incident which is reported to have happened there. I am not aware of the full facts. Something has appeared in the papers only and the Government has not come out with a statement. So, it is very difficult to say anything about it. But, on whatever the hon. Leader of the Opposition has said, I join him and the entire House in condemning the incident.

But, I will be failing in my duty if I do not share a little information that I have with me. The hon. Leader of the Opposition has said that Mr. Bhatia had walked out of the reception. I want to correct this. Mr. Bhatia, along with me and Janardhan Poojariji, has been appointed as observer for Maharashtra, and a meeting had

been fixed. When I reached the venue of the meeting, Mr. Bhatia also stepped in. He told me that he was attending the reception at the Pakistan Embassy, that he had been summoned, that he had got a message immediately to leave the reception and to go to the meeting which was very important and that he should take execuse from the Ambassador. This is the information which I want to share with the House. This is what Mr. Bhatia has told me. Beyond this, I do not want to say anything. I only wanted to correct the Leader of the Opposition on this issue, that Mr. Bhatia did not boycott the reception.

SHRI MURASOLI MARAN: Summoned by whom?

SHRI R.K. DHAWAN: He was summoned by the leader of the Congress Party. It was a Congress party affair. Obviously, a Minister can be summoned. Now, you will ask me who rang him up and whether a clerk in the External Affairs Ministry rang him up. I do not know this. But, Mr. Bhatia told me that he was attending the reception and that he got a message that he should take leave of the Ambassador, that he should excuse his absence and that he should go to the meeting because it was an important meeting. This is the information that I have. I wanted to share this with the House. ...*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Iqbal Singh, do you want to speak?

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): भाटिया जी को यहां पर बुलाया जाए...(**व्यवधान**) वह यहां आकर स्पष्ट करें...(**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब...(**व्यवधान**) तसदीक कर लेता हूं, लेकिन बेसिक चीज़ वहां मौजूद है। श्री आर. एल. भाटिया को जो इज्जत मिलनी चाहिए थी, वह इज्जत नहीं मिली।

[ ] Transliteration in Arabic Script.

He may not have walked out in a huff, but the fact remains that the basic thing is that he was not given the basic honour.

SHRI DIGVIJAY SINGH: We agree with you, Mr. Sikander Bakht...*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Malhotra, I have already called Mr. Iqbal Singh. I have got about ten names. I have to call each and everyone.

SHRI BALBIR SINGH: Mr. Vice Chairman, Sir, I have got a very important point.

Mr. Sibtey Razi has his personal views. We from the Congress Party do not share his views.

Definitely it is a very serious matter and we entirely agree with the Leader of the Opposition that the High Commissioner should be called and the External Affairs Ministry should send a protest note to the Pakistan Government.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly be brief. We are not discussing the matter. It is Zero Hour.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): सदरे मोहतरम, आज यहां एक बहुत ही हस्सास मसले पर हम बहस कर रहे हैं और हमारे आपोजीशन लीडर ने वक्त का बड़ा अहम सवाल उठाया है, पाकिस्तान ने अपनी एम्बैसी में जो हरकत मेजबान की हैसियत से मेहमान के साथ की है। दुनियां में मेहमान और मेजबान की डेफिनेशन को शर्मिन्दा करने वाली पाकिस्तानी एम्बैसी का वह शर्मनाक कारनामा है, जिस कारनामे की इन्तिहाई जितनी भी मजम्मत की जाए, मैं समझता है, मजम्मत के लिए अलफाज भी नहीं हैं। मेहमान मेहमान होता है और मेजबान, मेहमान के जरिए तकलीफ भी अगर हो जाए तो मेजबानी हक अदा करने के लिए अपने मेहमान को कहीं से तकलीफ नहीं पहुंचाता। या तो मेजबानी करने के पहले पाकिस्तान को पढ़ लेना चाहिए, समझ लेना चाहिए और फिर मेहमानों को बुलाना चाहिए और या अगर मेजबानी के फरायज का पाकिस्तान ना-असना है तो पाकिस्तान की सरहद और सीमा को खतम करके उसे हिन्दुस्तान के साथ मिला देना चाहिए ताकि हिन्दुस्तान से फरायज सीखे और इस तरह से एक अच्छे और मोहज्जब दुनिया के साथ इकट्ठा हो जाए। उनको यहां से हटाया जाए या नहीं हटाया जाए, इंटरनेशनल और बेनुअक़वानी मसले के तहत उनके खिलाफ वह कार्यवाही होनी चाहिए, जो एक गैर-मोहज्जब हरकत करने वाले के खिलाफ होती है। शुक्रिया।

[illegible]

डा. संजय सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय महोदय, नेता विरोधी दल ने जो आज के इस मसले पर अपने विचार रखे हैं, मैं पूरी तरह से उसको ताइद करता हूं और एक बात यह कहना चाहता हूं कि सबसे पहले तो जिस तरह से सभी पार्टियों के अपने साथियों ने इस विषय में अपनी बातें रखी हैं। उससे यह जाहिर ही होता है, सभी यही चाहते हैं कि सामूहिक रूप से पाकिस्तानी एम्बैसी और उनके एम्बेसडर का जो व्यवहार रहा है, उनकी पूरी तरह से भर्त्सना की जाए। दूसरी बात निश्चित तौर से आश्चर्य की बात है कि कुछ दिनों पूर्व की यह घटना है और अभी तक सरकार का इस पर क्या स्टैण्ड है, उसकी जानकारी नहीं हुई है, तो मैं यह चाहता हूं, जैसा हमारे सभी साथियों ने कहा है, एम्बेसडर को वापस भेजा जाए और डिप्लोमेटिक रिलेशनशिप के जो नियम हैं उस पर दोनों देशों के बीच में बात हो।

माननीय, आज जो कश्मीर में तमाम सारे हादसे हो रहे हैं, तमाम सारे संगठन लीडरान ने जो हरकतें की हैं, वह उनके लीडरान वहां उपस्थित हों पाकिस्तानी राष्ट्रीय दिवस पर। माना हमारी तमाम सारी पालिसी में, तमाम सारे विषयों में बड़ी लिबरल नीति है, लेकिन मैं नहीं समझता कि देश के सम्मान पर कम्परोमाइज करने के लिए भी हम जो लिबरल हो रहे हैं, इसके बारे में किसी का विचार होगा। मैं तो यही कहना चाहता हूं आपके माध्यम से कि सामूहिक इस सदन की तरफ से इस पाकिस्तानी हरकत की भर्त्सना हो, खोखर को वापस भेजा जाए और एक बड़ी हाई लेवल इन्क्वायरी की जाए कि जो इस देश की अखंडता, इस देश में, कश्मीर में तमाम सारी दुर्घटनाएं, तमाम सारे झगड़े यहां कर रहे हैं, वह यहां दिल्ली में घूमते हैं और पाकिस्तानी एम्बैसी में, तमाम सारे दफ्तरों में खुली छूट के साथ घुमते है, वह कैसे? इसकी इन्क्वायरी भी की जाए। यही मेरा आपसे निवेदन है। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly be brief. I have to accommodate so many names.

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): Sir, there appears to be some confusion in the matter. While agreeing with the hon. Leader of the Opposition on the views expressed by him, I must say that on all these occasions of the National Days, a protocol is observed. The Chief Guest is generally the VicePresident of India or the Lt. Governor of Delhi. And when the Chief Guest arrives, the National Anthems of both the countries are played and the Chief Guest is conducted to the rostrum or to his seat.

Other Ambassadors go and pay their respects and other invitees also go. This is a normal protocol. We happened to attend most of the National days of other countries. We know that If there is a departure, then, definitely it is a serious matter. This has to be inquired into. What I want to know is whether Mr. Bhatia has gone there as the chief guest or as one of the invitees. It may be that he got an invitation as the Minister of State for External Affairs. There might be a last-minute cancellation of the visit by the chief guest or has somebody deputised for him? This should be told by Mr. Bhatia himself. What I suggest is, let him come and tell the

[ ] Transliteration in Arabic Script.

House as to what exactly happened. If there is a serious breach of protocol, that has to be brought to the notice of the Pakistani High Commissioner. He should be told about it. I also know that the persent Pakistan High Commissioner takes pleasure in creating controversies and talking ill of many national leaders and other party leaders here, interfering in the domestic policies of the Government, party affairs and all that. He makes very loose comments. Therefore, if it is one of the instances of ignoring protocol, etc., then, it is a serious matter. Mr. Vice Chairman, we request, through you, Mr. Bhatia to come and enlighten the House as to what exactly happened.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Gurudas Das Gupta.

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, मैं इनका कन्फ्यूजन दूर कर दूं। ....(व्यवधान)....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Let me speak.

SHRI SIKANDER BAKHT: Upendraji said something and I want to correct him. Even before the Minister drove in, within a few minutes... *(Interruptions)*...

AN HON. MEMBER: Mr. Bhatia will remove the confusion.

SHRI SIKANDER BAKHT: I am removing the confusion.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): You cannot remove it. The Minsiter will remove the confusion... *(Interruptions)*...

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, मैं यह बताना चाहता हूं कि डिप्टी चीफ आफ प्रोटोकोल ने हाई कमिश्नर से कांटेक्ट करके यह मालूम किया कि इनके लिए कुर्सी कहां रखी गई है? इसका मतलब यह है कि यह किस हैसियत से गए थे, यह मालूम था हरेक को। ...(व्यवधान)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Mr. Vice-Chairman, since Mr. Bhatia is here, let him make his position clear. That is my first point.

Secondly, I share the feelings expressed by the House that it is a gross abuse of diplomatic hospitality. Ambassadors and High Commissioners representing their own countries in other countries are expected to behave according to a certain norm. There is a standard international practice. Therefore, this a total violation of diplomatic hospitality. I condemn it. I demand that the Government should take appropriate steps to protect the dignity of the House. I believe that the ruling circle of Pakistan and the common people of Pakistan are not the same. The people of India and the people of Pakistan have something in common. We have to fight unitedly for peace, tranquillity, in this subcontinent. Therefore, I appeal to the people of Pakistan to kindly realise the dangerous path that the ruling clique has embarked upon. While saying so, while condemning the incident, I shall implore my friends to kindly ponder over one thing that while speaking for the national dignity, we must ensure that nothing should be stated or done in a way which directly or indirectly helps the militant caucus of Pakistani rule whose only interest lies in building up discord between India and Pakistan.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Now, the Minister has come. There are so many names with me. One minute.

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Let Mr. Bhatia speak first. That would be better.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): If Mr. Bhatia speaks, then, it will be over. I would like to know whether he wants to say something.

SHRI G.G. SWELL (Meghalaya): Only one sentence. Only one sentence. Only one sentence.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Okay.

SHRI G.G. SWELL: I would like to say that if all that has appeared in the Press and all that has been said here is true, it was an abomination that we cannot tolerate. The Pakistan Ambassador should be called to the Foreign Office and reprimanded. The Government of Pakistan should be asked to withdraw him. If they fail to do that, he should be declared as *persona non grata*. Since Mr. Bhatia is here, let us hear from him who is the centre of all this furore.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Would the Minister like to respond?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): Yes.

श्री ईश दत्त यादव: मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I called so many names. After that, I am not allowing anybody. (*Interruptions*).

श्री ईश दत्त यादव: आपकी बात पर हमें कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन हमारा एक निवेदन है कि हम भी इस सदन के सदस्य हैं। हमारी एक पार्टी है। अपनी पार्टी का व्यू तथा अपने विचारों को भी हाऊस में रखें। इसलिए मैं आपसे समय चाहता था। भाटिया जी बोलें, स्पष्टीकरण दें।...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री वी. नारायणसामी): हां, बोलिए-बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव: माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं तो ज्यादा समय नहीं लेता। श्री सिकन्दर बख्त जी ने और पूरे सदन ने जो विचार प्रगट किए, जो भावना प्रगट की है, उससे मैं स्वयं अपने को और अपनी समाजवादी पार्टी को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, इस घटना की मैं घोर निन्दा करता हूं। पूरे सदन का जो विचार है, उससे मैं सहमत हूं। लेकिन एक बात आपसे निवेदन करना चाहता था कि यह 23 तारीख की घटना है, शर्मनाक घटना है। इसकी जितनी निन्दा हो कम है। पाकिस्तानी राजदूत को वापिस बुलाया जाए मैं इसका भी समर्थन करता हूं। लेकिन एक बात मैं जो आपसे निवेदन करना चाहता था कि यह 23 तारीख की घटना है। 23 तारीख से लेकर आज तक भारत सरकार ने क्या किया है? और मैं समझता हूं कि कांग्रेस पार्टी में भी इस पर मतैक्य नहीं है। मैं सिब्ते रज़ी साहब की बात सुन रहा था और अहलुवालिया जी की तथा दूसरे माननीय सदस्यों की भी मैंने बातें सुनी। कांग्रेस पार्टी ने भी कोई एक व्यू नहीं बनाया। सरकार ने भी कोई एक व्यू नहीं बनाया। इसलिए...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: गलत बोल रहे हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): He has said that it is his personal view.

श्री ईश दत्त यादव: इसके बाद भाटिया जी बोलने वाले हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से भाटिया जी से यह जानना चाहता था कि 23 तारीख से लेकर आज तक भारत सरकार ने इस संबंध में क्या कार्रवाई की है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to apprise the House of the facts. I went there as India's representative. I was the Chief Guest there and when I arrived there, the Indian National Anthem was played. Then the Ambassador introduced me to the dignitaries as well as the member of their staf. Thereafter, I met a number of Ambassadors. Later, Mr. Wisner, the American Ambassador, met me and he wanted to talk to me about something urgent. So, we were there talking for 1015 minutes. Thereafter, I was to go to the P.M.'s house because the Prime Minister had called me at 7.30. I was to go as Observer to Maharashtra to elect the CLP leader. So I left the place.

These are the facts now, whatever is the wish of the House....(*Interruptions*)....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, was there any seat for him?(*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): We are seriously concerned about it. (*Interruptions*).

SHRI R.L. BHATIA: Mr. Vice-Chairman, Sir,....(*Interruptions*). I am replying to you.

श्री ईश दत्त यादव: भाटिया जी, स्पष्ट करें।...(**व्यवधान**) इनका अपमान किया गया या नहीं?...(**व्यवधान**)

SHRI R.L. BHATIA: I did not see any seating arrangement there. I was there for 15-20 minutes, as I said. The National Anthem was played and due respect was given to me. And I was introduced to.....(*Interruptions*). I have noted sentiments of the House and due regard will be given to that.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: It has been alleged in the House .....(*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): The Minister is responding. (*Interruptions*).

SHRI SIKANDER BAKHT: Before Mr. Bhatia's arrival, the Deputy Chief of Protocol went to the High Commissioner and asked him, "where is the chair for Mr. Bhatia who is going to represent India here? "And he said," we have not kept any chair because we have got too many guests." That is the point.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the hon. Leader of the Opposition seems to be much

more informed than the Minister who attended. I would like to know ....(*Interruptions*).... it is borne out by the statement of the hon. Minister. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Gurudas Das Gupta, the Minister has answered. (*Interruptions*).

SHRI DIGVIJAY SINGH: He is also saying that there was no seating arrangement. There is the protocol. (*Interruptions*). There is always a seating arrangement for the Chief Guest.

SHRI CHATURANAN MISHRA: This point should be made clear whether there was any sitting arrangement for anybody (*Interruptions*).

SHRI DIGVIJAY SINGH: No, no. This is an insult to the whole country. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): This is the Zero Hour. (*interruptions*) The Minister replied to the point raised by the Members. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, an allegation has been made, but it has not been proved. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): The Minister has answered the point and he has made his position clear. There should not be any further discussion. (*Interruptions*) Mr. Jaipal Reddy, the Minister came and clarified the position. I don't want to continue with the discussion. Please cooperate with me. (*Interruptions*)

डा. संजय सिंह: माननीय मंत्री जी के वक्तव्य के माध्यम से लगता है कि जो भी अखबारों में बात छपी है, उसके माध्यम से पूरे देश में, मीडिया के माध्यम से .....(व्यवधान)..... अखबारों में छपा है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पूरे हिन्दुस्तान में मीडिया के जरिए इस देश का अपमान लोगों को मालूम पड़ा है। मैं जानना चाहता हूं कि सरकार ने इन सारे अखबारों के खिलाफ क्या कदम उठाया है?

श्री चतुरानन मिश्र: दिस इज नॉट ए प्वाइंट। अखबारों ने क्या किया, वह असल बात नहीं है। असल बात यह है कि अपमानजनक बात हुई या नहीं। .....(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: For the last three days, the people of India have been fed on certain facts. Why did the Government not clarify in regard to those facts in time? (*Interruptions*)

Now Mr. Bhatia has narrated some facts. But even by narrating the facts, he has not expressed a view. Therefore, Mr. Bhatia, on behalf of the Government, should express a considered view on the subject. (*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, यह केवल भाटिया साहब का अपमान नहीं है, सारे देश का अपमान है। (व्यवधान)

SHRI P. UPENDRA: The Minister said that he was given all due honour. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): That matter is over now. I am going to the next subject. (*Interruptions*)

SHRI H. HANUMANTHAPPA: Mr. Vice-Chairman, Sir, various views were expressed by the Members in the House. (*Interruptions*)

श्री कृष्णलाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, नॉर्मल प्रोसीजर क्या है? चेयर होती है कि नहीं होती है? अगर होती है तो ऐसा क्यों हुआ है। आई वांट टू नो इट। .....(व्यवधान) अगर चेयर होती है और चीफ गैस्ट को सीट नहीं दी है तो यह बिल्कुल अपमानजनक बात है। .....(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): यह भाटिया साहब का अपमान नहीं है, सारे देश की बेइज्जती है। .....(व्यवधान)

SHRI DIGVIJAY SINGH: There was no chair for anybody. He was the chief guest. It is a protocol tradition that every time a chair has to be arranged. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly take your seat. You cannot force the Minister to say what you want him to say. (*Interruptions*) Sushmaji, I have called Mr. Hanumanthappa. Mr. Hanumanthappa, you can speak now. (*Interruptions*)

SHRI H. HANUMANTHAPPA: Sir, I cannot shout. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY: Mr. Gurudas Das Gupta, this is not a discussion. This is Zero Hour. I will not allow anybody. (*Interruptions*)

श्री विष्णुकांत शास्त्री: मैं जानना चाहता हूं कि यह हमारे अखबारों में छपा है कि भारत का अपमान हुआ, तो इसका स्पष्टीकरण कौन देगा? .....(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभाध्यक्ष जी, वह कह

रहे हैं कि किसी के लिए भी कुर्सी नहीं थी। एक छोटे से स्कूल में जब फंक्शन होता है तो चीफ गेस्ट के लिए चेयर अलग से रखी जाती है। यह अपमानजनक बात है। यह कहकर कि किसी के लिए कुर्सी नहीं थी, आप अपमान से मुक्त नहीं हो सकते। .....(व्यवधान) कांग्रेसी मंत्रियों को अपमान सहने की आदत होगी पर यह सारे देश का अपमान है। .....(व्यवधान)

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश) : पाकिस्तान की तहज़ीब है कि चीफगैस्ट को बिठाते नहीं है। ....(व्यवधान)

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka) : Sir, actually the whole House is agitated on this issue. Various views have been expressed here. We have heard the reply of the Minister also. But the fact remains and this is also the feeling of the House that protocol has not been observed. That is the point. On that point, a clarification has not come from the Minister. The whole House is agitated and the whole country has looked into the Press report and there is a feeling in the country that honour and dignity of India have been insulted.

And the protocol has not been observed. Being an External Affairs Minister he himself knows very well the protocol procedures, the protocol norms and the protocol compulsions. Sir, we want a clear-cut clarification on whether there was any insinuation, insult, or any lapse in following the protocol. This point has not been cleared. I request the hon. Minister to give a categorical clarification and assuage the feelings of the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : No, no; he had already clarified that he was treated... *(Interruptions)*... No, no; he said ...*(Interruptions)*... No, no; I am calling the next person. Mr. Baby ...*(Interruptions)*... Mr. Baby, do you want to speak or not? ...*(Interruptions)*... I am not calling anybody. The matter is over. Mr. Baby ...*(Interruptions)*... No, no, I am not calling anybody. I have called Mr. Baby. After he finishes, I will go to the next subject ...*(Interruptions)*...

SHRI CHIMANBHAI MEHTA (Gujarat) : Sir, I have a specific question.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : I have already called Mr. Baby and then I will call the next person.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Sir, this is really something which needs to be clarified ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : The Minister has already answered.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Nobody has replied to it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : He has already replied to it. Mr. S.S. Ahluwalia ...*(Interruptions)*... Mr. Ahluwalia, your name is listed in the Zero Hour business. Do you want to speak? ...*(Interruptions)*... Mr. Hanumanthappa, the Minister has answered. You did not hear him. You go through the records. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Sir, the House has to take action against the Press ...*(Interruptions)*... The nation has been misinformed collectively by the Press.

DR. SANJAYA SINH : No action is being taken against the Press.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : If you want, you can take action against the Press. I cannot say that ...*(Interruptions)*... The subject is over. Mr. Ahluwalia, do you want to speak or not? I have to go to another subject.

SHRI S.S. AHLUWALIA : Sir, how can I speak in a situation like this?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You have to speak ...*(Interruptions)*...

SHIR S. JAIPAL REDDY : Sir, there is a Constitutional crisis which has erupted in Bihar.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Jaipal Reddy, every time you cannot stand up and raise the issue on Bihar like this. In the Zero Hour you have raised it. There are also other subjects which we have to deal with ...*(Interruptions)*... No, I am not allowing ...*(Interruptions)*... Mr. Jaipal Reddy, you bring a motion to discuss it.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Sir, the citizens of this nation want to know.....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : No, I am not allowing you. I am not allowing anything. I have gone to another subject. Mr. Ahluwalia, do you want to speak or not? ...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY : That did not mean that I was not going ahead with an important issue.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Jaipal Reddy, if you want, you can give a notice and then can raise the issue.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, I have already given a notice to the Chairman.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : That was only for the suspension of the Question Hour ...*(Interruptions)*... Kindly take your seats ...*(Interruptions)*... Mr. Reddy, kindly take your seat...*(Interruptions)*... Mr. Jaipal Reddy, you raised the issue in the Question Hour. You also raised it in the Zero Hour. We have gone to another subject. Kindly take your seat.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, I was not allowed to raise the issue in the Zero Hour because the Leader of the Opposition was raising a very sensitive national issue. I showed deference ...*(Interruptions)*... I showed deference.....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You give a notice and get the permission of the Chairman and then raise it.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, no issue is more important than what is happening in Bihar. Mr. Vice-Chairman, the Constitution of India is being raped. The democracy in Bihar is being murdered. How can we be mute witnesses? No issue is more urgent than this. No issue should get a greater priority than this. The people of Bihar have been subjected to untold agony for three months.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : No. Mr. Ahluwalia also wants to raise an important issue *(Interruptions)*...

DR. BIPLAB DASGUPTA : Sir, unless we are fully satisfied, we cannot continue with the discussion on any other issue.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : No, no; kindly don't say that. Please don't say that. There are many other Members who would like to raise other issues. Kindly don't say that.

DR. BIPLAB DASGUPTA : What are they doing about it? It is a very important issue.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Mr. Vice Chairman, you are aware that a Constitutional crisis is being deliberately created in Bihar *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : I don't know anything about it. *(Interruptions)*... Let us go ahead with the business *(Interruptions)*... Kindly take your seats *(Interruptions)*... Kindly take your seats *(Interruptions)*... Mr. S.S. Ahluwalia *(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAY SINGH : Mr. ViceChairman, Sir, I think you should adjourn the House ....*(Interruptions)*... There is no point ....*(Interruptions)*...

श्री ईश दत्त यादव : यह देश की प्रतिष्ठा का सवाल है (व्यवधान) हमारे देशवासियों का अपमान किया गया है (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Ish Dutt Yadav, that subject is over *(Interruptions)*... I have gone to another subject *(Interruptions)*...

श्री ईश दत्त यादव : सरकार की कमजोर नीतियों के कारण पाकिस्तान के हौसले बढ़ते जा रहे है (व्यवधान) पाकिस्तान हमारे देश के साथ गद्दारी कर रहा है। इसलिए पूरी बहस होनी चाहिये (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Mr. Vice Chairman.....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Jaipal Reddy, Kindly take your seat ...*(Interruptions)*... Kindly take your seats ....*(Interruptions)*... Everyone should go to his seat ...*(Interruptions)*... Kindly take your seats ...*(Interruptions)*... I am not going to adjourn the House. I will sit here up till 5 o' clock ...*(Interruptions)*... I will not adjourn the House ...*(Interruptions)*... There are other subjects which we have to discuss *(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY : No, Mr. Vice-Chairman ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश यादव : क्या हो रहा है बिहार में (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (Shir V. NARAYANASAMY) : Mr. S.S. Ahluwalia, you have to speak ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA : You control the House, Sir ....*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.

NARAYANASAMY) : Kindly take your seats *(Interruptions)*... There are other Members who have given notice. I have to call them *(Interruptions)*... There are other Members who have given notice. I have to call those Members *(Interruptions)*...

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : क्या बिहार में इसी तरह से प्रशासन चलता रहेगा (व्यवधान) महिलाओं पर अत्याचार होता रहेगा (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Kindly take your seat *(Interruptions)*... You go to your seat first *(Interruptions)*... You go to your seat first before speaking *(Interruptions)*... Before speaking you have to go to your seat *(Interruptions)*...

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : You allow me to speak *(Interruptions)*... If you allow me to speak, I am ready to go to my seat *(Interruptions)*... You please first allow me to speak on this issue. Then I will go to my seat *(Interruptions)*... I have given notice to the Chairman *(Interruptions)*... You are not calling me *(Interruptions)*...

SHIR S. JAIPAL REDDY : Mr. Vice Chairman, we want to discuss this issue *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Jaipal Reddy, you kindly take your seat *(Interruptions)*...

श्री एस.एस.अहलुवालिया : गुरू गोबिन्द सिंह के ऐतिहासिक गुरुदारे पर हमला हुआ है, (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : We want to discuss this issue *(Interruptions)*...

श्री एस.एस.अहलुवालिया : नांदेड़ में गुरु गोबिन्द सिंह के ऐतिहासिक गुरुदारे पर हमला हुआ है, यह मामला मैं उठाना चाहता हूं (व्यवधान) पहले आप सदन को कंट्रोल कीजिये (व्यवधान)

SHRI DIGVIJAY SINGH : Please adjourn the House, Sir ....*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : I am not going to adjourn the House ....*(Interruptions)*... There are other issues. Many Members have to speak *(Interruptions)*... Whatever they want let them do. I am not going to adjourn the House ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA : You please control the House ...*(Interruptions)*... How can I speak? ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : I am telling them to take their seats *(Interruptions)*... You go to your seats *(Interruptions)*... You go to your seats *(Interruptions)*... Mr. Naresh Yadav, kindly go to your seat. We have got a lot of subjects to be discussed *(Interruptions)*... Kindly take your seats *(Interruptions)*... Mr. Obaidullah Khan Azmi, I have allowed you to speak on a different subject. You please go to your seat *(Interruptions)*... Kindly go to your seats *(Interruptions)*... Mr. Jaipal Reddy, kindly take your seat *(Interruptions)*... You go to your seats *(Interruptions)*... You go to your seats and speak *(Interruptions)*... Mr. Jaipal Reddy, you please take your seat *(Interruptions)*... You go to your seats. Everyone should go to his seat *(Interruptions)*... Kindly take your seats *(Interruptions)*...Kindly take your seats. *(Interruptions)*...

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): पुलिस को घरों में भेज दिया...(व्यवधान)

श्रीमती सरला माहेश्वरी: वहां महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYAN ASAMY): Madam, you kindly take your seat. ...*(Interruptions)*... You please go to your seat. ....*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: There is a need to allow a discussion on Bihar. *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Jaipal Reddy, you please take your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: There is a need to allow a discussion on Bihar. ....*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): You give notice and take permission from the Chairman. Then it will be allowed....*(Interruptions)*... First of all you give notice ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सरकार को देखना चाहिये

कि क्या हो रहा है (व्यवधान) इतना अन्याय हो रहा है, अत्याचार हो रहा है महिलाओं पर (व्यवधान) पुलिस घरों में घुस कर क्या-क्या कर रही है (व्यवधान) क्या हम यहां चुपचाप बैठे रहे और सदन की कार्यवाही चलती रहे (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice Chairman,...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Jaipal Reddy, you are not allowing the other Members to speak. *(Interruptions)*... Kindly allow the other Members to speak. *(Interruptions)*...

श्री नरेश यादव: उपसभाध्यक्ष महोदय, देश में संविधान है या नहीं? ...(व्यवधान)

SHRI CHATURANAN MISHRA: Sir, ...*(Interruptions)*.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir,...*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I adjourn the House till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at ten minutes past one of the clock.

The House re-assembled after lunch at thirty-one minutes past two of the clock.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE) in the Chair.

RE. SITUATION IN BIHAR (Contd.)

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Hon. Members, we shall now take up the Motion of Thanks on the President's Address...*(Interruptions)*

SHRI JAIPAL REDDY: Madam, Parliament of India has been bypassed even while we were discussing the issue of Bihar...*(Interruptions)* The Government of India has imposed President's Rule in Bihar...*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Dr. Jagannath Mishra...*(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: Shri Jagannath Mishra has been privy to the imposition of President's Rule in Bihar...*(Interruptions)*It is a matter of shame...*(Interruptions)* We have been alleging from the very beginning that the Government of India is in tandem with the Chief Election Commissioner...*(Interruptions)* And they were planning to impose President's rule...*(Interruptions)* Madam, I do not understand the logic behind the imposition of President's Rule more particularly at 12 o'clock...*(Interruptions)* in the course of the day when Parliament was discussing the matter ...*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Jaipalji, I would like to go according to the business listed ...*(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: Certain Members of Parliament were discussing the situation today ...*(Interruptions)* I did not know until now ...*(Interruptions)*

SHRI V. NARAYANASAMY: Are you aware of the fact that there was large-scale rigging and booth-capturing? *(Interruptions)*

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: ...(व्यवधान) सरकार कभी इनसे मिलती है, कभी उनसे मिलती है...(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let Mr. Mishra and Mr. Mathur join hands with each other...*(Interruptions)* Mr. Mishra, Mr. Mathur and Mr. Seshan belong to the same school of thought...*(Interruptions)*

श्रीमती सुषमा स्वराज: ...हम लोगों की तो पहले से मांग थी। लेकिन आज बिहार में चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं...

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Government should come out with a statement...*(Interruptions)* The Government should tell us why they thought of imposing President's rule...*(Interruptions)*

श्रीमती सुषमा स्वराज: बिहार में जो वित्तीय संकट पैदा हुआ है उस वित्तीय संकट को सुलझाने का क्या रास्ता है ...(व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: ...पिछले चार वर्ष से बिहार के अंदर होता रहा है...(व्यवधान) ऐसा कोई उदाहरण नहीं है ...(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Jagannath Mishra and Mr. J.P. Mathur are close co-conspirators...*(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The Gov-